

उपसभापति : नहीं, यह स्पेसिफिक क्वेश्चन है। मुझे नहीं लगता कि यह उससे संबंधित है।

श्री भूलचंद भीगा : सर्वाह माधोपुर में इन्दिरा लिफ्ट योजना है और राजस्थान के अन्दर ऐसी खनिज संपदा है, जो वन विभाग के एरिया के अंदर आती है, जिससे अरबों रुपये का राजस्व सरकार को मिल सकता है। ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me hear him. Then I can decide.

श्री भूलचंद भीगा : लेकिन उसके अंदर एक भी पैड़गा झाड़ियां नहीं हैं। परन्तु राजस्थान सरकार और जिलाधीशों ने यह प्रस्ताव बना कर भेजे हैं कि इस जमीन की फॉरेस्ट लैंड के एरिया में जोड़ दिया जाए और दूसरी जमीन हम इसके लिए उपलब्ध करा सकते हैं।

मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि आप ऐसी परियोजनाओं के लिए जो राजस्थान सरकार और जिलाधीशों से प्रस्ताव आया है, उनको संबंध में एक कमेटी बनाकर, क्या आप ऐसी परियोजना बनाकर, कोसीकृत देंगे, और यदि देंगे, तो कब तक देंगे?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has already answered that. It has a policy under which, if it comes, he will see.

SHRI KAMAL NATH: It belongs to Dholpur in Rajasthan. It has nothing to do with the districts in Maharashtra.

Construction of bridge over Brahmaputra

*403. SHRI MATANG SING: the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) what is the latest position of the Lakhimpur-Dibrugarh bridge being constructed over Brahmaputra river;

(b) by when it is likely to be completed¹; and

(c) what are the reasons for delay, if any, in its completion?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TY-TEPPV): (a) No bridge over river Brahmaputra connecting North Lakhimpur to Dibrugarh in Assam is under construction at present.

(b) and (c) Do not arise.

श्री मतंग सिंह : उपसभापति महोदय, मेरा पहला सवालियों है—क्या मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि असम सरकार ने इस पुल को बनाने के लिए भारत सरकार से कोई अनुमति लिया था? यदि हाँ, तो क्या कारण है कि इस पुल को बनाने के लिए भारत सरकार ने अभी तक को निर्णय नहीं लिया है?

श्री जगदीश टाट्टलर : ऐसा बात नहीं है। इस पुल के बारे में यह बनाना चाहिए कि 29 मई को कैबिनेट कमिटी ऑन पोलिटिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन ने इस प्रोजेक्ट का समझा और विश्वास जताया और यह सांचा कि यह बहुत महंगा पड़ेगा। इसलिए ओवरऑल नेशनल पर्सपेक्टिव में सोचा कि इस ब्रिज का बनाना चाहिए। ... (व्यवधान) ...

श्री मतंग सिंह : बनाना चाहिए कि नहीं बनाना चाहिए।

श्री जगदीश टाट्टलर : बनाना चाहिये। 23 सितम्बर 1991 को कमिटी ऑफ सेक्रेटरीज ने इस बात को सोचा और उन्होंने कहा कि जब जोगी पाड़ा ब्रिज बन रहा है, जब वह कम्प्लीट हो जाएगा, उसके बाद इसके बारे में सोचा जाएगा।

22 अक्टूबर, को प्रधान मंत्री ने एक मीटिंग ली, जिसमें यह बताया गया कि असम डेवलपमेंट अथॉरिटी को मिलेगा कि जो न्यू रेलवे-कम-रोड ब्रिज बन रहा है भोगीबिल में—यह सोचा जा सकता है जब जोगीपाड़ा का पुल कम्प्लीट होगा।

मगर मैं बताना चाहता हूँ कि 5 फरवरी, 1992 को कैबिनेट कमिटी आन पोलिटिकल एफेयर्स में इस बात पर फिर सोचा गया और उसमें प्रधान मंत्री के इशारे पर यह बात कही गई कि इसको एक्जामिन किया जाए कि इस पर कितना पैसा लगेगा।

इसके बाद हमने बाकी मिनिस्ट्रीज कमीशन और गवर्नमेंट आफ असम की उनके ब्यूरो के लिए नोट भेजा हुआ है।

श्री मतंग सिंह : उपसभापति महोदया, मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी है, क्या यह सब नहीं है कि इस पुल के निर्माण वहाँ की जनता काफी समय से भारत सरकार... (व्यवधान) मांग करती आ रही है।... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN:
Order, please, in the House.

श्री मतंग सिंह : क्या यह पुल के बारे में योजना विभाग ने कोई स्वीकृति दी है ?

श्री जगदीश टाइटलर : यह तो पूरे डिटेल्स में आपको अभी बताया है कि हम इस पूरे पुल को बनाने लिए हैं मगर हमने पूरे प्रोपोजिशन मांगे हैं। असम गवर्नमेंट से मांगे हैं, प्लानिंग कमीशन से मांगे हैं, फार्मिंग मिनिस्ट्री से मांगे हैं, होम मिनिस्ट्री से मांगे हैं।

श्री मतंग सिंह : क्या प्लानिंग कमीशन ने आपको कोई एप्रुवल दी है या नहीं ?

श्री जगदीश टाइटलर : मैं आपको बता रहा हूँ कि प्रधान मंत्री ने इस पर इन्टररेस्ट लिया है और प्रधान मंत्री के इन्टररेस्ट के ऊपर ही यह सब प्रोपोजिशन देने के बाद आपका पुल बनेगा।... (व्यवधान)

श्री अर्जुन जोशी : इस पर सहानुभूति-पूर्वक विचार होना चाहिए।

SHRI NYODEK YONGGAM: The question raised by the hon. Member is related to the construction of the railway-cum-road bridge at Bogivil with the Dhemaji District on the one side and the Dibrugarh. District on the other side. If this proposed bridge is constructed, it will link about six

North Eastern States. May I know from the hon. Minister whether the Central Government paid Rs. 4 lakhs sometime in the year 1986 for the survey work? For the last six long years the work has not started. What are the reasons? May I know these from the hon. Minister?

SHRI JAGDISH TYTLER: Sir, I would like to inform the hon. Member that in the Sixth Five-year Plan a detailed survey for construction of a bridge across the river Brahmaputra, from Bogivil to Dibrugarh, was undertaken by the RITES as consultants in 1982 for preparing a techno-economic feasibility report. As I said, on the basis of that on 29th May, 1990 the Cabinet Committee on Political Affairs considered it, which I have already repeated. It was only on the basis of the report-prepared in the Sixth Plan by the RITES. As I said mentioned before, I can repeat it, but I would like to say today that the bridge is going to be constructed but after the bridge at Jogipada is completed. We have asked for the opinion of the Assam Government, the Home Ministry, the Planning Commission and other agencies, Once we get that, I think, as a nation-1 project we will be able to take 'his up.

Conversion of Manmad-Aurangabad Adilabad metre gauge rail link

'404. SHRI MURLIDHAR CHANDR-
AKANT BHANDARE :f
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of RAILWAYS be
pleased to state:

(a) whether the project for conversion of the Manriad-Aurangabad-Acftlabad metre gauge rail link has been pending for long, if so, since when and what is its estimated cost; and

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Murlidhar Chandrakant Bhandare.